HINDI

PROSE

CHAPTER 1

गुप्त धन

- प्रेमचंद

प्रेमचंद ने 'गुप्तधन' पाठ के माध्यम से हमें बताया है कि धन का लोभ बहुत बुरा होता है । बाबू हरिदास ईटों के पजावे के मालिक थे । उनके यहाँ मगनसिंह नाम का एक छोटा लड़का भी काम करता था, जो बहुत ईमानदार और महनती था । कुछ ही समय में वह मालिक का विश्वास पात्र बन गया । माँ के बीमार होने के कारण जब मगनसिंह तीन दिन तक काम पर न आया तब हरिदास उसके घर गये मगनसिंह की माँ से उन्हें पता चला कि पुरखों के जमाने का धन जमीन के नीचे गड़ा हुआ है । हरिदास के मन में लालच आ गया और उन्होने बीजक के अनुसार स्वयं धन खोजना शुरू किया, मगनसिंह को नही बताया । उन्हें पता चला मंदिर के चबूतरे के नीचे धन है, परन्तु तीन दिन बीमार रहने के बाद उनकी मृत्यु हो गई । उनके बेटे प्रभुदास ने भी

Study SSC Online

लालच में आकर धन प्राप्त कर लिया, परन्तु वह भी बीमार पड़े और मृत्यु से पहले उनका विवेक जागा, और मगनसिंह को बुलाकर धन सौंप दिया ।

Study SSC Online

QUESTIONS

प्र.१. प्रश्न का उत्तर ५० – ६० शब्दों मे दो:

१. बाबू हरिदास के ईंटों के पजावे में मजदूर किस प्रकार काम करते थे ?

प्र.२. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:

१. बाबू हरिदास का ईंटों का .... शहर से मिला हुआ था ।

प्र.३. किसने किससे कहा :

१. ''गाँववाले तुम्हारी कुछ मदद नहीं करते?''

प्र.४. एक एक वाक्य में उत्तर दो:

१. मगनसिंह के घर में कौन–कौन थे ?

प्र.५. सही विकल्प लिखो:

१. एक दिन उन्होंने उस लड़के को ....

अ) नौकरी से निकाल दिया।

ब) अपने पास बैठाया और उसके समाचार पूछने लगे ।

क) भरपेट खाना खिलाया और कुछ रुपए दिए ।

Study SSC Online

ANSWERS

प्र.१. <u>प्रश्न का उत्तर ५० – ६० शब्दों मे दो:</u>

१. बाबू हरिदास के ईंटों के पजावे में मजदूर किस प्रकार काम करते थे ?

उत्तर:

प्रस्तुत प्रश्न 'गुप्तधन' नामक पाठ से लिया गया है । इसके लेखक प्रेमचंद हैं। बाबू हरिदास का ईंटों का पजावा शहर के पास ही था। आसपास के गाँव से सैंकड़ो स्त्री–पुरूष और लड़के रोज आते और पजावे से ईंटें सिर पर उठाकर ऊपर कतारों में सजाते थे। एक आदमी पजावे के पास पैसे लिये बैठा रहता था। मजदूरों को ईंटों की संख्या के हिसाब से ही पैसे दिए जाते थे । इसलिए बहुत से मजदूर अधिक से अधिक काम करते थे। वृद्धों और बालकों को ईंटों के बोझ से अकड़े हुए देख बहुत बुरा लगता था। सबसे दु:ख भरी दशा एक छोटे लड़के की थी जो सदैव अपने बराबर के लड़कों से दुगनी ईंटें उठाता और सारे दिन बिना विश्राम किए परिश्रम और धैर्य के साथ अपने काम में लगा रहता था। इस प्रकार बाबू हरिदास के ईंटों के पजावे में मजदूर काम करते थे।

Study SSC Online

प्र.२. <u>रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:</u>

१. बाबू हरिदास का ईंटों का **<u>पजावा</u>** शहर से मिला हुआ था ।

प्र.३. <u>किसने किससे कहा</u> :

१. ‘‘गाँववाले तुम्हारी कुछ मदद नहीं करते?’’

उत्तर:

यह वाक्य हरिदास ने मगनसिंह से कहा ।

प्र.४. <u>एक एक वाक्य में उत्तर दो</u>:

१. मगनसिंह के घर में कौन–कौन थे ?

उत्तर:

मगनसिंह के घर में मगनसिंह के अलावा उसकी बूढ़ी माँ थी ।

प्र.५. <u>सही विकल्प लिखो:</u>

१. एक दिन उन्होंने उस लड़के को ....

अ) नौकरी से निकाल दिया।

Study SSC Online

ब)   अपने पास बैठाया और उसके समाचार पूछने लगे ।

क)   भरपेट खाना खिलाया और कुछ रुपए दिए ।

उत्तर:

एक दिन उन्होंने उस लड़के को **अपने पास बैठाया और उसके समाचार पूछने लगे।**

Study SSC Online